सराहनीय | माता-पिता खुशी से हुए भावुक, स्टॉफ का किया आभार व्यक्त

880 ग्राम के नवजात को 60 दिनों की जंग के बाद मिली जीत

नवभारत, बालाघाट। कहते हैं, जब हौसला और सही इलाज साथ हों तो सबसे कठिन लड़ाई भी जीती जा सकती है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक उदाहरण जिला चिकित्सालय बालाघाट के एसएनसीयू (विशेष नवजात देखभाल इकाई) में देखने को मिला, जहां महज 880 ग्राम वजन के एक नवजात शिशु ने 60 दिनों की कठिन जंग लड़कर जिंदगी की नई शुरुआत की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि वार्ड नंबर 11, मोहगांव (पोस्ट चांगोटोला, तहसील लामता) निवासी सुमन्द्री उइके ने 24 फरवरी 2026 को दोपहर 3:39 बजे पीएचसी मोहगांव में एक बालक को जन्म दिया। शिशु का जन्म समय से पहले (28 सप्ताह) और बेहद कम वजन (लगभग 800 ग्राम) के साथ हुआ, जिससे उसकी हालत बेहद नाजुक थी। स्थिति गंभीर होने पर नवजात को तुरंत जिला चिकित्सालय बालाघाट के एसएनसीयू वार्ड में भर्ती कराया गया। सांस लेने में अत्यधिक तकलीफ के चलते शिशु को प्रोटोकॉल के तहत 11 दिनों तक वेंटिलेशन सपोर्ट (मशीन) पर रखा गया। साथ ही 5 दिनों तक एंटीबायोटिक दवाओं का उपचार भी दिया गया।

डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की सतत निगरानी में शिशु को शुरुआत से ही मां का दूध नली के माध्यम से दिया गया। धीरे-धीरे हालत में सुधार आने पर उसे कटोरी-चम्मच से दूध पिलाना शुरू किया गया। नियमित जांच, देखभाल और विशेष उपचार के चलते शिशु की स्थिति में लगातार सुधार होता गया। करीब 60 दिनों की कड़ी निगरानी और उपचार के बाद, 23 अप्रैल 2026 को जब शिशु का वजन बढ़कर 1500 ग्राम हो गया और वह पूरी तरह स्वस्थ हो गया, तब उसे सफलतापूर्वक डिस्चार्ज कर दिया गया।

इस सफलता के पीछे एसएनसीयू के डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की अथक मेहनत और समर्पण रहा। बच्चे के स्वस्थ होकर घर लौटने पर माता-पिता की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने भावुक होकर पूरे मेडिकल स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस के कुछ जनप्रतिनिधि और नेता भाजपा में होंगे शामिल

नवभारत, बालाघाट। जिले की राजनीति में इन दिनों कुछ गोपनीय खबरों ने हलचल मचा रखी है। विश्वस्थ सूत्रों के हवाले से खबर सामने आ रही है कि कांग्रेस के कुछ विधायक और वरिष्ठ नेता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संपर्क में हैं और आने वाले समय में पार्टी बदल सकते हैं। हालांकि इस संबंध में अभी तक किसी भी नेता ने सार्वजनिक रूप से पुष्टि नहीं की है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि प्रदेश में पहले भी कांग्रेस को ऐसे झटके लग चुके हैं। हाल के वर्षों में मध्य प्रदेश में कई कांग्रेस विधायक भाजपा में शामिल हो चुके हैं, जिससे पार्टी संगठन को नुकसान हुआ है।

बालाघाट जिले की बात करें तो यहां पहले भी राजनीतिक दलों के बीच नेताओं का आना-जाना होता रहा है। जिले में भाजपा का मजबूत आधार माना जाता है, जबकि कांग्रेस संगठन के साथ अध्यक्ष को समय-समय पर अंदरूनी गुटबाजी असंतोष ओर विरोध का सामना करना पड़ा है।

सूत्रों का दावा है कि कुछ विधायक पार्टी नेतृत्व से नाराज चल रहे हैं और संगठन में उपेक्षा का आरोप लगा रहे हैं। इसी वजह से वे नए राजनीतिक विकल्प तलाश रहे हैं। हालांकि कांग्रेस के स्थानीय फूल छाप नेताओं का कहना है कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है और भाजपा केवल भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है। जबकि वास्तविकता ये है कि सारी नाराजी शीर्ष स्तर से लेकर जिला अध्यक्ष की निष्क्रिय कार्यशैली ओर उनकी मनमानी से जुड़ा है जहां वरिष्ठ को छोड़कर कनिष्ट के भरोसे नैया पार लगाने की तैयारी की जा रही। जिले की सभी विधानसभा को को छोड़िए यदि कांग्रेस के जिला अध्यक्ष ही अपनी सीट बचा पाए तो बहुत बड़ी बात होगी ।

वहीं कुछ वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने संकेत दिए हैं कि कांग्रेस के कुछ विधायक संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी जिला के साथ जनपद सदस्य भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं । भाजपा में यदि कोई जनप्रतिनिधि पार्टी की नीतियों और विकास कार्यों से प्रभावित होकर आना चाहता है, तो उसका स्वागत करने भाजपा तैयार पूरी तरह से है ।

फिलहाल यह मामला पूरी तरह अटकलों और राजनीतिक चर्चाओं तक सीमित है। आने वाले दिनों में यदि कोई बड़ा फैसला होता है, तो बालाघाट की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है।

डॉ. गौरीशंकर पटले ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कटंगी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की, आज होगा अंतिम संस्कार

नवभारत, कटंगी 4 मई। कटंगी नगर परिषद के वार्ड नंबर 12 निवासी एवं संजीवनी 108 में पदस्थ ईएमटी डॉक्टर गौरीशंकर पटले उम्र 45 वर्ष ने सोमवार 4 मई को सुबह करीब 8 बजे अपने ही घर के ऊपरी कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

घटना की जानकारी मिलते ही मोहल्ले के लोगों ने दरवाजा तोड़कर उन्हें फंदे से उतारा और 112 पुलिस वाहन की मदद से करीब 9 बजे कटंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कटंगी पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा।

कटंगी में करोड़ों के विकास कार्यों को मिली रफ्तार

विधायक गौरव सिंह पारधी ने किया भूमिपूजन

नवभारत, कटंगी 4 मई। कटंगी क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को लेकर विधायक श्री गौरव सिंह पारधी लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। इसी कड़ी में उन्होंने ग्राम पंचायत हथौड़ा एवं समतपुरी में विभिन्न निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी शामिल हुए। कटंगी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम हथौड़ा में विकास की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया, जहां लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वीकृत परसवाड़ा-सांवरगांव-हथौड़ा मार्ग निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन विधायक गौरव सिंह पारधी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना की लंबाई 5.30 किलोमीटर है, जिस पर लगभग 4.15 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

समतपुरी में सीसी रोड निर्माण की शुरुआत

इसी क्रम में ग्राम पंचायत समतपुरी में 11 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड का भी भूमिपूजन किया गया। इस निर्माण कार्य से गांव में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी और ग्रामीणों को कीचड़ व गड्ढों से राहत मिलेगी। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कविता अरविंद देशमुख, जिला पंचायत सदस्य केशर बिसेन, नगर परिषद कटंगी अध्यक्ष योगेंद्र ठाकुर, मंडल अध्यक्ष भाजपा मुकेश चौकसे सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

9 मई को नेशनल लोक अदालत, 25 खंडपीठों का हुआ गठन

बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के तत्वावधान में 9 मई 2026 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। लोक अदालत की तैयारियों को लेकर सभी विभागों के अधिकारियों एवं न्यायाधीशों की बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं, जिनमें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं और समय-समय पर समीक्षा भी की जा रही है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस ट्रेन रद्द होने से यात्रियों में आक्रोश

जनप्रतिनिधियों से ट्रेन बहाल करने की मांग, शादी-गर्मी के सीजन में बढ़ी परेशानी

नवभारत, कटंगी 4 मई। इतवारी स्टेशन से बालाघाट तक चलने वाली नेताजी सुभाष चंद्र बोस ट्रेन नं. 68714 को रेलवे द्वारा रद्द किए जाने से क्षेत्र के हजारों यात्रियों में भारी आक्रोश है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब इस ट्रेन का रूट गोंदिया होकर है ही नहीं, तो गोंदिया स्टेशन में चल रहे विकास कार्य के नाम पर इसे रद्द करने का क्या औचित्य है?

नेताजी सुभाष चंद्र बोस एक्सप्रेस इतवारी से तुमसर रोड, गोबरवाही, तिरोड़ी, कटंगी, वारासिवनी मार्ग से सीधे बालाघाट पहुंचती है। इस ट्रेन का गोंदिया स्टेशन से कोई संबंध नहीं है। इसके बावजूद रेलवे ने गोंदिया में विकास कार्य का हवाला देकर इस महत्वपूर्ण ट्रेन को रद्द कर दिया है।

यात्रियों ने उठाए सवाल

स्थानीय यात्रियों और सामाजिक संगठनों ने रेलवे प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लोगों का कहना है, द्व 'रेलवे प्रशासन नींद में है या यात्रियों के साथ कोई साजिश है, समझ से परे है। जब ट्रेन गोंदिया जाती ही नहीं, तो वहां के काम से इसे क्यों रोका गया?

ट्रेन कटंगी, तिरोड़ी, वारासिवनी क्षेत्र के लिए लाइफलाइन थी

यह ट्रेन कटंगी, तिरोड़ी, वारासिवनी क्षेत्र के लिए लाइफलाइन मानी जाती है। अभी शादियों का दौर चल रहा है और भीषण गर्मी भी शुरू हो गई है। ऐसे में ट्रेन रद्द होने से छात्रों, मरीजों, व्यापारियों और आम यात्रियों को भारी परेशानी हो रही है। बसों में भीड़ और महंगे किराए से लोग बेहाल हैं।

जनप्रतिनिधियों से गुहार

क्षेत्र की जनता ने सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। लोगों ने कहा कि 'जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान दें और इस ट्रेन को अविलंब संचालित करने के प्रयास करें। शादियों के दौर और गर्मी में यात्रियों की परेशानी नही बढ़ाएं।

शासकीय कार्यो के साथ पंचायत कार्य और प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही हो रहे परेशान

नवभारत, वारासिवनी। ग्रामीण क्षेत्र मे विभिन्न निर्माण कार्यो मे भी रेत की दिक्कत को लेकर सोशल मिडिया मे एक पोस्ट को देखकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने गंभीरता दिखायी है। उन्होने जिलाधीश के समक्ष जनता की परेशानीयो को सामने रखकर त्वरित मे निदान की उम्मीद भी रखी है। दूसरी ओर जिलाधीश ने इस विषया को जिला खनिज अधिकारी के समक्ष रखकर समाधान के निर्देश भी प्रदान किये है। देखना है की अब इस ज्वलंत विषय पर क्या और कब समाधान सामने आता है। वारासिवनी क्षेत्र मे बडी नदियो और घाटो के होने के बाद भी रेत को लेकर चौतरफा दिक्कते देखी जा रही है। मंत्रालय भोपाल के द्वारा करायी गयी घाटो की निविदा के अभी तक बालाघाट जिले मे पूर्ण नही होने के कारण रेत अब एक सपना बनकर रह गयी है। मप्र शासन ने रेत की निविदा एक नही दो बार लगा दी है किंतू आफसेट प्राईज अधिक होने की दुहाई देकर विभिन्न ठेकेदारो ने अभी तक रूची नही दिखायी है। जिसके कारण वर्तमान मे सभी रेत घाटो मे रेत का उत्खनन पूर्णतह प्रतिबंधित है और जनता के साथ अनेको शासकीय ठेकेदार भी विभिन्न निर्माण कार्यो को लेकर परेशान है की आखिर रेत की पूर्ति करे तो कंहा से करे। इस विषय को सोशल मिडिया मे कुंजबिहारी मुन्नू दुबे (जिलाध्यक्ष) कृषक भारतीय संगठन बालाघाट ने भी सामने रखकर जनप्रतिनिधीयो से उम्मीद जतायी है की आज जिले का प्रत्येक व्यक्ति रेत को लेकर परेशान है । हमारे जिले मे भवन निर्माण का कार्य फरवरी से लेकर 15 जून तक ही होता है। इसके उपरांत किसान भाई व मजदूर भाई खेती के कार्य मे व्यस्त हो जाता है। ऐसी स्तिथि मे अगर उपभोक्ता को रेत ना मिले तो वह किसी भी प्रकार का कच्चा अथवा पक्का निर्माण कार्य कैसे करवा सकता है।